ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित...

वर्ष - 27 | नवम्बर -2025 | अंक - 11 | माउंट आबू | Rs.-16

शान्ति, एकता और विश्वास के सूत्र से विश्वगुरू बनेगा भारतः राज्यपाल

मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी दीदी से ईश्वरीय सौगात प्राप्त करते हुए माननीय राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागड़े। साथ हैं मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु. करूणा।

आबू रोड-शान्तिवन(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मीडिया प्रभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय मीडिया महासम्मेलन का शुभारम्भ राजस्थान के माननीय राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागड़े तथा अन्य अतिथियों के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

तत्पश्चात् कार्यक्रम में माननीय राज्यपाल ने कहा कि यहाँ आकर प्रसन्नता हो रही है। समाज में शान्ति, एकता और विश्वास को बढ़ावा देने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ भी कहते हैं। मीडिया लोकतंत्र की जड़ों को सींचकर सदा हरा रखने का कार्य करता है। भारत के लोगों के रक्त में ही लोकतंत्र है। विश्व में जब कुल 6 विश्वविद्यालय थे, उस समय हमारे पास नालंदा और तक्षशिला जैसे 2 विशाल विश्वविद्यालय थे। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी दीदी ने कहा कि मीडिया का मतलब प्रमोशन होता है। शान्ति, हम सबका स्वधर्म है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मीडिया प्रभाग अध्यक्ष राजयोगी ब्र.कु. करुणा ने कहा कि मीडिया पर आज भी लोगों को भरोसा है, हमें इसे और अधिक प्रगाढ़ करना होगा। जिसे हम मीडिया और मेडिटेशन के समन्वय से प्राप्त कर पाएंगे। मध्यप्रदेश भोपाल के माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि पत्रकार सामाजिक, सांस्कृतिक चेतना के वाहक हैं। सोशल मीडिया से आप लाउड स्पीकर, कंटेंट क्रियेटर और कंटेंट रिफॉर्मर बन सकते हैं। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय रायपुर के पूर्व कुलपति प्रो. डॉ. मानसिंह परमार, ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मीडिया प्रभाग की उपाध्यक्षा ब्र.कु. सरला दीदी, मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक ब्र.कु. शांतनु, डॉ. सोहिनी शास्त्री,राष्ट्रीय पदक प्राप्त ज्योतिषी एवं लाइफ कोच कोलकाता व दिल्ली से आये डॉ. अजीत पाठक,पब्लिक रिलेशन्स सोसाइटी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदि ने भी सम्बोधित किया। बता दें कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मीडिया प्रभाग की स्थापना वर्ष 1980 में हुई थी। श्वेता सागर,आगरा ने स्वागत नृत्य एवं गायिका शारदा नाथ,रायपुर ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। राजयोगिनी ब्र.कु. चंद्रकला दीदी ज़ोनल कोऑर्डिनेटर,जयपुर ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया। कार्यक्रम में देशभर से प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, रेडियो व वेब साइट से जुड़े 1500 से ज़्यादा मीडियाकर्मियों ने भाग लिया।

- त्रि-दिवसीय राष्ट्रीय मीडिया महासम्मेलन
- देशभर से 1500 से अधिक मीडियाकर्मी पहुँचे
- वन टू वन टॉक में हुई गहन चर्चा
- 4 कार्यशालाओं व खुले सत्र में हुआ मंथन
- मीडिया में आध्यात्मिक पुट देने पर हुए सहमत

विश्व को सुख-शान्तिमय बनाने का कार्य कर रहा संस्थानः डॉ. भागवत

नागपुर-महा.। ब्रह्माकुमारीज़ विश्व शान्ति सरोवर के सातवें वार्षिकोत्सव पर आये राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक **डॉ. मोहन भागवत ने कहा** कि ब्रह्माकुमारीज़ मानव मात्र के कल्याण का कार्य कर रही है, पूरे राष्ट्र के हित का कार्य कर रही है और सम्पूर्ण दुनिया को सुख-शान्तियुक्त सुंदर बनाने का कार्य कर रही है। यह एक पंथ पर तीन-तीन काज हैं। इस दिशा में हम भी कामकाज करने में लगे हैं।

ब्रह्माकुमारीज़ शील और चरित्र जगाते हैं

चरित्र जगाने का आधार है- देह व देह से जुड़े मन-बुद्धि के परे जाकर अपने अंतर की यात्रा करना। संघ भी कहता है कि बनना है तो अंदर से बनो। बाहर का बोलना, चलना फिरना ठीक करना है तो अंदर की प्रवृत्ति ठीक होनी चाहिए। उसके लिए गहराई में अंदर उतरकर वहाँ से हम सब ठीक करते हैं। सबका तरीका अपना अपना है लेकिन मूल में एक ही है कि- अपने अंदर को जगाओ।

मैं ज्ञान देने के लिए नहीं, सीखने के भाव से माउंट आबू आऊंगा- हम आपस में परस्पर सहयोगी होकर चलें, परस्पर बाधक न बनें। जैसे ब्रह्माकुमारीज़ सेवाओं के विस्तार के लिए किसी से कोई खर्चा नहीं मांगते हैं, वैसे ही संघ भी कार्य करता है। आज दुनिया को आवश्यकता है कि भारतवासी फिर से भरपूर होकर दुनिया को सिखाए। उन्होंने कहा कि मैं बहुत जल्द माउंट आबू आऊंगा। मैं ज्ञान देने के लिए नहीं, ज्ञान लेने व सीखने के भाव से माउंट आबू आऊंगा।

दुनिया में सारा झगड़ा 'स्व' का है- डॉ. भागवत ने कहा कि हम सभी एक परमात्मा की संतान हैं। दुनिया में सारा झगड़ा स्व का है। जब यह भावना हो जाती है कि मुझे चाहिए तो हम दूसरे के हित के बारे में नहीं सोचते हैं। दुनिया में यह डर रहता है कि यह बड़ा होगा तो हमारा क्या होगा। जब हमें यह समझ में आता है कि मैं और मेरा मतलब हम और हमारा है तो सारी समस्याएं समाप्त हो जाती हैं। विश्व को आज सॉल्यूशन चाहिए। उन्होंने अपनी अधूरी दृष्टि से हल निकालने का प्रयास किया लेकिन नहीं मिला, क्योंकि मिलना संभव नहीं है। भागवत बोले- राष्ट्र के नाते भारत अपने आप को जानता है -

अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्।
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्।।

क्योंकि हमें यह कनेक्शन पता है। यह भाव हमारे अंदर है लेकिन हमारी कृति से भी दिखना चाहिए। भारत पहले से भरपूर है, ज़रूरत है तो भारतवासियों को भरपूर होने की। कई तरह की कार्यपद्धति को लेकर काम करने वाले प्रवाह आज भारत में विद्यमान हैं। उसमें एक बहुत विराट प्रयास ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान का है। ब्रह्माकुमारीज़ में भाई-बहनों का रिश्ता है तो सारी समस्याएं यहीं खत्म हो जाती हैं।

आबू रोड से प्रतिनिधिमंडल ने लिया भाग

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के अतिरिक्त महासचिव राजयोगी डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय ने कहा कि आज पूरे विश्व को शान्ति, प्रेम, सद्भावना, एकता की आवश्यकता है। संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी ने कहा कि भारत वह महान भूमि है, जिसने दुनिया को जो विचार दिया है वह कोई और नहीं दे सकता। भारत में ही रामराज्य था और फिर से रामराज्य बनेगा। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. ऊषा दीदी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. शारदा दीदी ने सभी को राजयोग मेडिटेशन से गहन शान्ति की अनुभूति कराई।

शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मान

आरएसएस प्रमुख भागवत का संस्थान के अतिरिक्त महासचिव डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ऊषा दीदी और ब्र.कु. देव,माउंट आबू ने भी स्वागत किया। स्थानीय सेवाकेन्द्र प्रभारी ब्र.कु. रजनी ने संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी का शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। इस दौरान संस्थान मुख्यालय के पी.आर.ओ. ब्र.कु. कोमल ने संस्थान की सेवाओं की वार्षिक सेवा रिपोर्ट सेवांजलि भेंट करते हुए सामाजिक सेवाओं के बारे में अवगत कराया।